कृषि तकनीक ने बदली जिन्दगी: खेत खलियान

नाम- देव सिंह राजपूत

उम्र _ 40 वर्ष

परिवार में 2 लड़के एक लड़की पति पत्नी कुल 7 सदस्य रहते है

ग्राम_ जमुनिया

पोस्ट –कुम्हर्रा तहसील ओरछा

जिला_ निवाड़ी

देव सिंह राजपूज एक लघु किसान है जो जमुनिया ख़ास में रहते है ताराग्राम से जमुनिया गाँव की दूरी मात्र 15 किलोमीटर है यहाँ जाने के लिए कोई ख़ास सादन नहीं है टैक्सी या अपना खुद के बाहन से यहाँ आसानी से जाया जाता है, देव सिंह जी बताते है की इस भाग दौड़ भरी जिन्दगी में हम इंसान एक मशीन बनके रह गये है,उसके पास इतना समय नहीं है की वो अपनों के बीच में बैठकर बात कर सकते है, मात्र किसान ही एक ऐसा प्राणी है जो अपनों के बीच बैठकर कृषि कार्य कर देश को अन्न उगाकर देता है, लेकिन अब कृषि में कई बदलाव आ गया है, किसान देव सिंह राजपूत पहले परंपरागत तरीको से खेती करते थे, जिससे उनको आमदानी बहुत ही कम होती थी और कृषि लागत बढती जाती थी, परंपरागत तरीको से खेती कर देव सिंह राजपूत अपनी आमदानी नहीं बड़ा पा रहे थे, इस कारण उन्हें परिवार के भरण पोषण के लिए कभी-कभी काम की तलाश में पलायन भी करना पड़ता था, एक दिन घर लोटने के बाद देव सिंह राजपूत ने रेडियो बुंदेलखंड 90.4 ताराग्राम ओरछा पर कृषि संबंधी खेत खलिहान कार्यक्रम को सुना, जिसमे गन्ने की उन्नत खेती व उसको लगाने की तकनीक के बारे में बताया जा रहा था, तभी देव सिंह राजपूत ने मन में ठान लिया की आमदनी बदानी है तो नई सोच व नई तकनीक के साथ कृषि कार्य कर यह सब हासिल किया जा सकता है फिर क्या इन्होने खेत खलिहान कार्यक्रम सुनके कृषि में बदलाव कर गन्ने की उन्नत खेती गड्डा बिधि अपनाकर की, जिससे देव सिंह राजपूत की उपज में ब्रद्धि हुई साथ ही आमदनी में इज़ाफा हुआ, और फसल की लागत में भी कमी आई| उन्नत तकनीक से खेती कर देव सिंह राजपूत को वार्षिक 2.50 से 3 लाख तक की आमदनी हो रही है,

देव सिंह राजपूत आज एक खुशहाल जी रहे है, वे कहते है की यह सब संभव हो पाया रेडियो बुंदेलखंड 90.4 के माध्यम से देव सिंह राजपूत रेडियो बुंदेलखंड 90.4 एफ एम के नियमित श्रोता बन गये है, साथ ही बे इस परिवर्तन के लिए रेडियो बुंदेलखंड 90.4 एफ एम को बहुत बहुत धन्यवाद देते है|